Oligohydramnios (Page -1)

गर्भ में बच्चे के पानी की थैली में नॉर्मल से कम पानी (गर्भ जल)होने को ओलिगोहाइड्रामिनियोस कहते हैं । माँ के गर्भ में बच्चा चारों तरफ़ से पानी से घिरा रहता है, इसे गर्भ जल (ऐम्नीआटिक फ़्लूइड) कहते हैं। गर्भ के प्रारम्भिक महीनों में गर्भ जल में पानी और इलेक्ट्रॉलायट रहते हैं। जैसे जैसे गर्भ बढ़ता है गर्भ जल में प्रोटीन , कार्बोहाइड्रेट, वसा(फ़ैट)और यूरिया भी होते हैं।

गर्भ जल का क्या महत्व है?

गर्भ जल के कई उपयोगी कार्य हैं जिनका उद्देश्य गर्भ में बच्चे की सुरक्षा और विकास है ।
-गर्भ जल से घिरे रहने के कारण माँ के गर्भ में बच्चा मज़े से घूमता है, इससे उसकी हड्डियाँ और मांसपेशियाँ विकसित होती हैं।
-गर्भ जल बच्चे के गर्भ नाल पर दबाव नहीं पड़ने देता है। गर्भ नाल द्वारा ही बच्चे को गर्भ में ऑक्सिजन और पोषण प्राप्त होता है । इसपर अत्यधिक दबाव पड़ने से बच्चे को ऑक्सिजन और पोषण मिलने में बाधा पड़ सकती है ।
-गर्भ जल बच्चे के शरीर का उपयुक्त तापमान बराबर बनाए रखता है ।
-गर्भ जल बच्चे की आर्द्रता बनाए रखता है।
-गर्भ जल को बच्चा पीता है और इससे उसकी आँत (गैसट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट) का विकास होता है।
-बच्चा गर्भ जल को श्वास लेने की प्रक्रिया द्वारा फेफड़े के अंदर लेता है और बाहर निकलता है। इससे बच्चे के फेफड़ों का विकास होता है।
- गर्भ जल बच्चे को संक्रमण (इन्फ़ेक्शन) से बचाता है । गर्भ जल बच्चे की कुशन की भाँति बाहरी चोट से भी बचाव करता है(जैसे यदि माँ को अचानक पेट में चोट लगी या वह गिर जाय)।
- गर्भ जल में बच्चे की कोशिकायें (सेल) पायी जाती हैं । गर्भ जल का सैम्पल निकल कर बच्चे की आनुवंशिक (जेनेटिक) बीमारियों का पता लगाया जा सजाया है।

गर्भ जल कैसे बनता है?

गर्भ के पहले तीन महीनों में यह पुरैइन (प्लसेंटा) द्वारा छनकर(फ़िल्टर होकर) आए माँ के रक्त से बनता है। इसमें प्लाज़्मा और बच्चे के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व रहते हैं। चार- पाँच महीनों के बाद गर्भ जल को बच्चा खुद बनाता है। इसमें बच्चे का पेशाब और फेफड़ों का तरल(सिक्रीशन) राज्य है। गर्भ में जैसे- जैसे बच्चा बढ़ता है गर्भ जल की मात्रा भी बढ़ती जाती है क्योंकि बच्चा अधिक पेशाब करता है। गर्भावस्था के आख़िरी तीन चार सप्ताह में गर्भ जल कम होने लगता है।

अल्ट्रसाउंड से गर्भ जल की कमी का पता कैसे लगता है?

अल्ट्रसाउंड से डॉक्टर माँ के गर्भ में बच्चे के चारों तरफ़ कितना गर्भ जल है इसका अंदाज़ा लगा सकते हैं। इसके लिए गर्भाशय को काल्पनिक रूप से चार हिस्सों में बाँटकर हर हिस्से में गर्भ जल की मात्रा नापी जाती है और इसके आधार पर गणना की जाती है। इसे गर्भ जल अनुक्रमणिका(ऐम्नीआटिक फ़्लूइड इंडेक्स) अथवा AFI कहते हैं। यदि AFI पाँच से छह सेंटिमीटर से कम है तो यह नोर्मल से कम माना जाता है और इसे गर्भ जल की कमी (ओलिगोहाइड्रामिनियोस) का केस कहा जाता है।
अल्ट्रसाउंड द्वारा एक दूसरी विधि से भी गर्भ जल को नापा जाता है । गर्भाशय के जिस हिस्से में सबसे ज़्यादा गर्भ जल दिखता है उसकी माप ली जाती है । नॉर्मल गर्भ में यह दो से आठ सेंटीमीटर होता है। यदि यह दो सेंटीमीटर से कम हो तो गर्भ जल की कमी समझी जाती है। गर्भ जल को साधारणत: किसी भी स्कैन में नापा नहीं जाता है क्योंकि यदि DVP(डीपेस्ट वर्टिकल पौकेट) २ सेमी या AFI (एमनियोटिक फ्लूयिड इंडेक्स) ५-६ सेमी से कम हो तो इसका पता तुरन्त चल जाता है । इसीलिए गर्भ जल को तभी मापा जाता है जब यह कम प्रतीत हो या इसे नापने के लिए कहा गया हो। गर्भ जल को नापने का सबसे अच्छा समय गर्भ के दूसरे तिमाही मे १८-२० सप्ताह (शिशु के एनामली स्कैन) के समय या अन्तिम तिमाही में शिशु के विकास के स्कैन के समय ही है।

क्या अल्ट्रासाउंड से मुझे कम गर्भ जल के विषय मे कुछ और ज़्यादा भी पता चल सकता है ?

कम गर्भ जल शिशु के जन्मजात विकृतियों (ख़ासकर मूत्र नलियों और सीमित विकास) के साथ पाया जाता है। इसीलिए जब कम गर्भ जल पाया जाता है तो विस्तार से स्कैन कर अन्य जन्मजात विकृतियों की पहचान कर ली जाती है और शिशु का विकास भी माप लिया जाता है ! सोनोग्राफी से शिशु का आकार और उसके अनुमानित वज़न मे वृद्धि की भी माप कर ली जाती है । इसी समय डाप्लर स्कैन (शिशु के रक्त संचार तंत्र का आकलन) भी किया जाता है जिसमें यदि कम गर्भ जल दिखता है तो वह शिशु के सीमित विकास का परिचायक है । शिशु के गर्भ जल की माप उसके बायोफिजिकल प्रोफ़ाइल (जो कि एक टूल है शिशु के स्वास्थ्य की जॉच के लिए) के आकलन में भी किया जाता है और इसमें शिशु की सक्रियता को भी एक पैमाना मानते हैं ।

इस अवस्था के क्या कारण हैं?

कम गर्भ जल का सबसे बड़ा कारण सामान्यत:: गर्भाशय की झिललियों का फटना है , परन्तु मूत्र की नली में रुकावट तथा किडनी का असामान्य काम करना भी इसके कारण हो सकते हैं ! कम गर्भ जल होना इस बात की ओर भी इशारा करता है कि पुरइन पूरी अच्छी तरह काम नहीं कर रहा है , जिसका अर्थ है कि पूरइन का अच्छी तरह विकास नही हुआ है अथवा इसमें कुछ क्षति हो गई है (हाइपोपरफ्यूजन)। विरले केस में ही कम गर्भ जल होने के कारण का पता चलता है , अधिकतर इसके कारण अज्ञात ही होते हैं ।

कम गर्भ जल की जटिलताएँ तथा परिणाम क्या हो सकते हैं?

गर्भ के जल पर ही बच्चे का जीवन आधारित है इसलिए गर्भ जल का कम होना बहुत गंभीर माना जाता है । चूँकि गर्भ जल पर शिशु का विकास और उसकी सुरक्षा निर्भर है इसलिए इसके कम होने से इनमे कमी आने लगती है । गर्भ जल मे कमी होने से कई जटिलताएँ होसकती है जिसका परिणाम इसके कम होने के कारण , इसकी गंभीरता और कमी शुरु होने के समय पर निर्भर करता है । गर्भ जल का कम होना गर्भ ठहरने के बाद जितनी जल्दी शुरु होता है, इसका असर उतना ही अधिक होता है और इसका परिणाम गर्भ जल कम होने के कारण पर भी निर्भर करता है । गर्भावस्था के अंतिम तिमाही में यदि सिर्फ गर्भ जल कम हो तो परिणाम अच्छा ही होता है । कम गर्भ जल के साथ संक्रमण की जटिलताएँ (गर्भ जल की झिल्ली फट जाने से) , समय पूर्व प्रसव (गर्भ जल की झिल्ली फटना , शिशु का विकास अवरुद्ध होना) , गतिशीलता में दिक्कत होना इत्यादि ख़तरे हो सकते हैं ।

कम गर्भ जल का इलाज क्या है?

कम गर्भ जल का कोई सटीक इलाज नही है ! यदि किसी सामान्य गर्भ के अंतिम महीने में गर्भ जल थोडी मात्रा में कम है तो फिर इसके इलाज की ज़रूरत नही है। ख़ासकर के झिल्ली फटने के बाद तो इसका उपचार ही माँ को निगरानी में रखना है , ताकि संक्रमण के लक्षण पहचान कर एंटीबायोटिक का उपयोग किया जा सके , और शिशु की निगरानी सोनोग्राफी द्वारा की जाती है । परन्तु कुछ मरीजों को अस्पताल मे भरती रखने की ज़रूरत भी पड़ सकती है या स्टीरोइड की सुई भी देनी पड़ सकती है! यदि गर्भस्थ शिशु मे मूत्र रोग के विकास संबंधित कोई गड़बड़ी हो तो शिशु की सर्जरी के बारे मे भी सोचें !

क्या मुझे किसी अन्य जाँच की भी ज़रूरत पड़ेगी ?

कम गर्भ जल होना यह बताता है कि बच्चे का विकास बाधित हो रहा है । तब बच्चे के शारीरिक विकास की दर को मापना चाहिए, विशेष रूप से शिशु की किडनी , मूत्र तंत्र संबंधित अंग तथा शिशु का परिवहन तंत्र (डापलर स्कैन के द्वारा)।

मैं अन्य किन प्रश्नों को पूछ सकती हूँ ?

- गर्भ जल की मात्रा कितनी होती है?
- कितनी जल्दी जल्दी मुझे अल्ट्रासाउंड करवाना होगा ?
- कम गर्भ जल क्या बहुत खतरनाक रूप में है? यह कब शुरु हुआ?
- शिशु में क्या अन्य कोई विसंगति दिखलाई पड़ रही है?
- क्या कम गर्भ जल के अन्य कारण हो सकते हैं ?
- क्या सुई से भी जॉच करने की ज़रूरत है?
- मेरा प्रसव कहाँ होना चाहिए ?
- बच्चे को जन्म के बाद कहाँ पर सबसे अच्छी देखभाल मिलेगी?
- क्या मैं डाक्टरों की उस टीम से मिल सकती हूँ जो बच्चे के जन्म के बाद उसकी देख भाल करेंगे ?